जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
राजस्थान सरकार द्वारा संस्थापित

स्पीडपोस्ट

क्रमांक : प ( )/जरारासंविवि/पुस्त/2017/2861 दिनांक :21.06.17.

प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड,
जी–8, मुल्तानकुंज, भगत की कोठी विस्तार,
पोस्ट ऑफिस–जोधपुर (राज.) 342005

विषय :– विश्वविद्यालय को भेंट स्वरूप भिजवाई गई अनुसंधान पुस्तकों के सम्बन्ध में।
सन्दर्भ :– आपका पत्र दिनांक 05.06.2017

आदरणीय महोदय,

आपके प्राप्त पत्र के सन्दर्भ में आपको सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि आपने विश्वविद्यालय पुस्तकालय के लिये आप द्वारा रचित विभिन्न विषयों की **(पीएच.डी.)** स्तर की पुस्तकें भेट स्वरूप इस विश्वविद्यालय को प्रदान कर हमें अनुग्रहीत किया इसके लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय **सदैव आपका ऋणी** रहेगा। आप द्वारा अब तक 15 किश्तों में कुल 150 पुस्तकें विश्वविद्यालय को भिजवाई गई है जिनको पुस्तकालय परिग्रहण पंजिका में निम्नानुसार अंकित किया गया हैं –

1. पांच पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28725 से 28729 पर दर्ज है।
2. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28774 से 28783 पर दर्ज है।
3. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 28993 से 29002 पर दर्ज है।
4. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 29119 से 29128 पर दर्ज है।
5. नौ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31259 से 31267 पर दर्ज है।
6. आठ पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31539 से 31546 पर दर्ज है।
7. सात पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 31918 31924 पर दर्ज हैं।
8. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32117 से 32560 पर दर्ज है।
9. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32551 से 32560 पर दर्ज है।
10. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 32600 से 32609 पर दर्ज है।
11. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33012 से 33021 पर दर्ज है।
12. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33550 से 33559 पर दर्ज है।
13. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 33574 से 33583 पर दर्ज है।
14. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 34386 से 34395 पर दर्ज है।
15. दस पुस्तकें जिनकी पुस्तकालय परिग्रहण संख्या 344428 से 34437 पर दर्ज है।

आपको पुनः धन्यवाद पत्र प्रेषित किया जा रहा है एवं यह आशा व्यक्त की जा रही है कि भविष्य में भी आपका सहयोग हमें इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा तथा आप द्वारा भेजी गई पुस्ताकें से पाठक समुदाय लाभान्वित होता रहेगा। सभी पाठकों ने आप द्वारा भेजी गई पुस्तकों का गहन अध्ययन कर सराहना की। आप द्वारा भिजवाई गई पुस्तक पुस्तकालय में एक अलग **अलमीरा (सैल्फ)** में प्रदर्शित की हुई हैं, ताकि अधिक से अधिक पाठक इन पुस्तकों का अध्ययन कर लाभान्वित हो सकें।

आपको उक्त सभी सात किश्तों में भिजवाई गई पुस्तकों के लिए विश्वविद्यालय के **माननीय कुलपति महोदय, कुलसचिव महोदय** एवं **अधोहस्ताक्षरकर्ता** की ओर से कोटि–कोटि **सादर धन्यवाद।**

सादर ससम्मान।

भवदीय
(सोहन लाल यादव) 21/6/17
सहा पुस्तकालयाध्यक्ष